भारतीय जनता पार्टी,अनुसूचित जाति मोर्चा

केन्द्रीय कार्यालय
11 अशोक रोड़, नई दिल्ली
फोन न0–011–23382234 / 35

दिनांक–23 नवम्बर, 2007

प्रेस विज्ञिप्त–

अनुसूचित जाति की सूची में हिन्दू से ईसाई और मुसलमान बने लोगों को सम्मिलित करने का विरोध

संविधान दिवस सोमवार दिनांक 26 नवम्बर को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 सत्यनारायण जटिया के नेतृत्व एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मान्यवर श्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन मे जन्तर मन्तर नई दिल्ली पर 11 बजे '' दलित आरक्षण बचाओ'' के मांग को लेकर एक विराट प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। जिसमे भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार अनुसूचित जाति वर्ग के धर्म बदले हुए ईसाईयों एवं दलित मुस्लिमों को अनुसूचित जाति की सूची मे सम्मिलित करके दलितों का आरक्षण छिनने का षडयंत्र कर रही है। यूपीए सरकार के सत्ता में आते ही इस षडयंत्र को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय धार्मिक एवं भाषाई अल्पसंख्यक आयोग का गठन रघुनाथ मिश्रा के नेतृत्व में किया जिसने ईसाईयों एवं मुस्लिमों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने के लिऐ सरकार को संस्तुति भेज दी है।

जिस संदर्भ में आयोग ने विचार किया है जिसमें धर्म बदलने वाले मुस्लिम एवं ईसाई बने लोगों को आरक्षण देने का निष्कर्ष निकाला है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व सभी अध्यक्षों ने इन्हें सूची में शामिल न करने के लिए संस्तुति भेजी थी परन्तु वर्तमान अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बूटा सिंह के द्वारा इन्हें सूची में सम्मिलित करने हेतु समर्थन देना दलित हित विरोधी है। कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी की सिफारिश से नियुक्त अनुसूचित जाति आयोग के वर्तमान अध्यक्ष कर वक्तव्य अनुसूचित जाति के लोगों के विरूद्ध एक गहरी साजिश को उजागर करता है।

ईसाईयों एवं मुस्लिमों को अनुसूचित जाति में शामिल करने के निर्णय से हिन्दू अनुसूचित जातियो के (आरक्षित कोटा) हिस्से में से हिस्सा करके ईसाईयों एवं मुस्लिमों की सुविधा दी जायेगी, जिसके कारण वर्तमान अनुसूचित जाति के लोगों का आरक्षण बंट जायेगा और वर्तमान स्थिति मे कम होगा। ईसाई आमतौर पर अंग्रेजी ज्यादा समझते है तो स्वाभाविक रूप से दलित कोटे की जगह उनको जाएगी।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के इस कदम से वर्तमान अनुसूचित जाति वर्ग के सामने अस्तित्व का संकट आ गया है। इसका सीधा संबंध दलितों के रोजगार से है। अनुसूचित जातियों के बच्चों की शिक्षा एवं नौकरी के अवसर जब कम हो जाएंगे तो उसकी स्थिति और भी दयनीय हो जायेगी। अतएव ऐसे दलित विरोधी प्रयास को अनुसूचित जातियों के अन्तर्गत आने वाले सभी लोगों की इस संकट की घडी में अपने भविष्य की सुरक्षा के लिए संगठित होकर कांग्रेस की इस कुटिल चाल को विफल करने का आहवान किया जाता है।

आप प्रदर्शन मे सादर आमंत्रित है।

(दुष्यंत कुमार गौतम)
राष्ट्रीय महामंत्री अनुसूचित जाति मोर्चा

Document Produced by deskPDF Unregistered :: http://www.docudesk.com